26 अक्टूबर, 2017 को मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड (आरबीएस) अर्थ हीरोज़ अवार्ड, 2017 (RBS EARTH HEROES AWARDS) में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड फाउंडेशन इंडिया (RBS Foundation India) द्वारा आयोजित RBS EARTH HEROES AWARDS कार्यक्रम के अवसर पर आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। हमारी पारिस्थितिकी, जलवायु, वन्य जीवों और उनके आश्रय स्थल, जल एवं नदी संसाधन के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों के लिए उनका अभिनंदन और सम्मान अत्यन्त उचित, सामयिक और प्रेरणादायी है। इस स्वागत योग्य कदम से उन अर्थ हीरोज़ को, जिन्हें बहुत कम लोग जानते हैं, एवं उनके अच्छे कार्यों के महत्व को मान्यता मिलेगी और यह सम्मान इन विजेताओं के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों को भी अवश्य ही प्रेरित करेगा।

2. Global Warming, Green House Effect, अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन (Carbon emission), Climate Change, Soil Erosion, नदी घाटियों का सिकुड़न एवं उनमें silting होना आदि ऐसी परिघटनाएं हैं जो पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन पर गंभीर प्रभाव डाल रही है और ये बदलाव मानव के अस्तित्व को ही खतरे में डाल सकते हैं। भारत में प्रकृति के साथ संतुलन एवं आदर की प्राचीन परंपरा है और हम ''सर्व मांगल्य'' की धारणा में विश्वास करते हैं जिसका अर्थ है सबका कल्याण तथा प्रकृति और इसकी रचनाओं के प्रति करूणा भाव। अथर्ववेद के ''पृथ्वी सूक्त'' के 63 श्लोकों में Environment Protection (पर्यावरण संरक्षण) और peaceful co-existence (शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व) का वर्णन किया गया है। इस धरा पर जैव विविधता की समरसता को बनाए रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण अनिवार्य है। हर जीव–जन्तु, पेड़ पौधा, पशु–पक्षी एवं मनुष्य अपने अस्तित्व को बनाए रखे, इसके लिए मनुष्य को पर्यावरण दोहन को सीमाबद्ध करना होगा। ये आत्मबोध भारतीय संस्कृति का अटूट हिस्सा रहा है। प्रकृति संकेत देती है विभिन्न आपदाओं के रूप में और मानव ने इस आहट को पहचान लिया है

और वे अब संरक्षण की राह पर चले हैं। Climate Change पर चर्चा और SDG ये सब इसी चिन्तन का परिणाम है। We have to understand that a safe and sustainable environment is the only answer to food, water and energy security and our own survival.

3. प्राचीन भारतीय संस्कृति में सूर्य, वायु, नदी आदि जैसे सभी प्राकृतिक शक्तियों को दिव्य माना जाता है और उनकी पूजा की जाती है। वृक्षों को पवित्र माना जाता है और यह कहा जाता है कि ''वृक्षो रक्षति रक्षितः'' जिसका अर्थ है कि जो वृक्षों को बचाता है, उसकी रक्षा वृक्ष करते हैं। पशुओं को लोगों की धार्मिक आस्थाओं के साथ जोड़ने से उनकी रक्षा करने में बहुत मदद मिली है। जैन और बौद्ध धार्मिक ग्रंथों में भी सदियों पहले सभी जीवों के प्रति अहिंसा की शिक्षा दी गई थी। मत्स्य पुराण में वृक्ष के विषय में कहा गया हैः

''दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रदः।
दशह्रदसमः पुत्रो दश पुत्रसमो द्रुमः।।''

(A pond equals ten wells, a reservoir equals ten ponds, A son equals ten reservoirs, and a tree equals ten sons.)

4. हमारी पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के साथ समरसता (Harmony) से रहने की समृद्ध परंपरा की अभिव्यक्ति हमारे संवैधानिक उपबंधों (Constitutional Provision) में भी की गई है। राज्य के नीति–निदेशक सिद्धांतों (Directive Principles of State Policy) के अंतर्गत राज्य को देश के पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्धन का और वन तथा वन्यजीवों की रक्षा करने का उल्लेख है। हमारे संविधान के Article 51A(g) में कहा गया है कि हमारे देश के प्रत्येक नागरिक का यह मूल कर्त्तव्य होगा कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्यजीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दया भाव रखे। हमारे Constitutional provisions के अनुसार हमने हमेशा अपने Environment, Bio-Diversity और Wildlife की रक्षा का प्रयास किया है और तदनुसार आवश्यक कानून बनाए हैं और नीतियां और कार्यक्रम तैयार किए हैं।

5. हमारे जैसे विकासशील देश में शीघ्र आर्थिक विकास का लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास में पर्यावरण संरक्षण और विकास के पक्षधरों के बीच प्रायः तनाव हो जाता है। Environment Conservation को विकास के आम मुद्दों से अलग नहीं किया जा सकता और इसे विकास के एक अभिन्न अंग और सतत् विकास के लिए आवश्यक पूर्वापेक्षा (necessary pre-requisite) के रूप में देखा जाना चाहिए। मुझे इस बात की खुशी है कि सतत् विकास के लिए वर्ष 2030 का एजेंडा जिसमें 17 सतत् विकास लक्ष्य (SDG) और इनसे संबंधित 169 टारगेट हैं, में भी विकास के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय आयामों को शामिल किया गया है। Sustainable Development Goal जो मेरे दिल के बहुत करीब है, में पर्यावरण निरंतरता एक अलग लक्ष्य है। SDG Goal No. 15 में Sustainable Forest Mangement, मरूस्थलीकरण का मुकाबला करने, Land degradation को रोकने और जैव विविधता (Bio-diversity) की रक्षा करने की परिकल्पना की गई है। हम Sustainable Development Goals की लक्ष्य प्राप्ति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और हमने अपनी संसद में कई अवसरों पर इस विषय पर गंभीर चर्चा की है।

6. इस संदर्भ में मैं आपको Speaker's Research Initiative (SRI) के रूप में शुरू की गई एक विशेष पहल के बारे में बताना चाहूंगी जिसके द्वारा विभिन्न विकासात्मक मुद्दों के बारे में संसद सदस्यों को गहन जानकारी प्रदान करके उनकी सहायता के लिए हमारी संसद में एक संस्थागत व्यवस्था की गई है ताकि संसद सदस्य कानून बनाने, संसदीय वाद–विवाद, सरकार की निगरानी के साथ–साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के निरंतर बढ़ रहे और जटिल मुद्दों से निपटने में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें। कई अवसरों पर इस मंच का उपयोग हमारे संसद सदस्यों को सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में जानकारी देने के लिए किया गया है ताकि वे इन Sustainable development Goals के कार्यान्वयन में भरपूर योगदान दे सकें।

7. Global warming is leading to weather extremes resulting in more intense droughts, floods, shifting seasons, rising sea levels, change in migration and growth patterns of animals and plants. यह हम सब की जिम्मेदारी है कि इस green planet को green and clean planet ही रहने दें। हजारों साल पहले वेद की ऋचाओं में यह महसूस किया गया था कि शांति और सद्भाव के लिए संपूर्ण चराचर जगत में संतुलन अनिवार्य है। यह हमें अन्य जीवों के साथ मिल–जुलकर जीने की शिक्षा देता है। यह बात इस श्लोक से सिद्ध हो जाती है:–

''यावत् भूमंडलम धत्ते सशैलवनकाननं,

तावत तिष्ठति मेदिन्याम सत्ततः पुत्र पौत्रिकी।''

(अर्थात् जब तक धरती पर वन और वन्य जीव रहेंगे, मानवजाति सुरक्षित रहेगी। अतः, उनका रक्षण हमारे अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए भी आवश्यक है।)

8. इस वर्ष आर.बी.एस. फाउंडेशन द्वारा पुरस्कृत श्री जाधव मलाई पयेंग हैं जिन्होंने अकेले अपने दम पर असम के जोरहाट में 1360 एकड़ के जंगल का सृजन कर दिया है। इसी प्रकार डॉ. रोहन चक्रवर्ती ने अपने कार्टूनों के माध्यम से जो पर्यावरण के प्रति सोच और जनजागरूकता की अलख जगाई है, वह अत्यन्त अनुकरणीय है एवं स्तुत्य प्रयास है। कहते हैं कि एक अच्छा कार्टून एक हजार लेखों के बराबर होता है क्योंकि कार्टून का संदेश अत्यन्त प्रभावी एवं दूरगामी होता है। इसके अतिरिक्त अन्य पुरस्कार विजेताओं ने भी अपने–अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इन कार्यों के महत्व को रेखांकित करना ओर उन्हें पुरस्कृत करना सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन है और पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति यह सकारात्मक योगदान है।

9. मेरे लिए आज का यह समारोह मात्र एक पुरस्कार समारोह नहीं है। यह पूरे भारतीय उपमहाद्वीप की vibrant and sustainable ecosytem के रूप में हमारे वनों को फिर से हरा–भरा करने के हमारे स्वप्न और विश्वास का उत्सव है। हमारे यहां वन, वन्य जीव और वनवासी युगों–युगों से एक साथ रहते आये हैं। वन संभावित Carbon sink (कार्बन सोखने वाले) हैं। वे वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों को कम करने में मदद

करते हैं और Climate Change के प्रतिकूल प्रभाव का मुकाबला करने में भी मददगार हैं। Environment concern should be among the first lesson to a child we need to bring up the new generation with a sensitivity to environment concerns. धरती पुत्र होने के नाते हम सबको अपने प्राकृतिक संसाधनों को सुदृढ़ करने और अपनी जैव–विविधता की रक्षा करने के लिए सभी संभव प्रयास करने चाहिए।

10. Someone has said and I quote:- "We do not inherit the earth from our ancestors; we borrow it from our children." मैं रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड और इसके फाउंडेशन को इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए बधाई और धन्यवाद देती हूं।

धन्यवाद।

―――――